



Estd. 1962
NAAC 'A' Grade
MHRD NIRF-28th Rank

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR-416 004. MAHARASHTRA

PHONE : EPABX-2609000 website- www.unishivaji.ac.in

FAX 0091-0231-2691533 & 0091-0231-2692333 BOS - 2609094

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर - 416004.

दुरध्वनी (ईपीएबीएक्स) २६०९००० (अभ्यास मंडळे विभाग- २६०९०९४)

फॅक्स : ००९१-०२३१-२६९१५३३ व २६९२३३३ e-mail: bos@unishivaji.ac.in

SU/BOS/IDS / No 7399

Dates: 29 JUN 2020

To,
The Principal,
All affiliated concerne Colleges / Institutions
Shivaji University, Kolhapur.

Subject : Regarding syllabi of B.A.B.Ed. Part III (Four Year Integrated) Sem V & VI (CBCS) degree programme under the Faculty of Inter-Disciplinary Studies.

Sir/Madam,

With reference to the subject mentioned above, I am directed to inform you that the university authorities have accepted and granted approval to the revised syllabi, of B.A.B.Ed. Part III (Four Year Integrated) Sem V & VI (CBCS) programme under the Faculty of Inter-Disciplinary Studies

This syllabi and equivalence shall be implemented from the academic year 2020-2021 onwards. A soft copy containing the syllabus is attached herewith and it is also available on university website www.unishivaji.ac.in. (Students / Online Syllabus)

The question papers on the pre-revised syllabi of above mentioned course will be set for the examinations to be held in October /November 2020 & March/April 2021. These chances are available for repeater students, if any.

You are, therefore, requested to bring this to the notice of all students and teachers concerned.

Thanking you,

Yours faithfully,

Dy Registrar

Copy to:

1	P.A. to Director Board of Evaluation and Examination	8	Appointment Section
2	The Dean, Faculty of IDS	9	Centre for Distance Education
3	The Chairman, Respective Board of Studies	10	Computer Centre
4	Dy.Registrar (On Exam)	11	Affiliation Section (U.G.)
5	Dy.Registrar (Pre. Exam)	12	Affiliation Section (P.G.)
6	Eligibility Section	13	P.G.Admission Section
7	O.E. I, II, III, IV Section	14	P.G.Seminar Section

Shivaji University, Kolhapur



Faculty of Inter Disciplinary Studies

B. A. B. Ed. Part – III Sem. V and VI

(Four year integrated course)

Choice Based Credit System (CBCS)

(2020 - 2021)

**B. A. B. Ed. Four year integrated course
Third Year-V Semester**

CC-T 110 INDIAN CONSTITUTION AND HUMAN RIGHTS

Hours : 30

Credit : 02

Marks : 50

Course Objectives :

1. To know the philosophy of Indian constitution.
2. To know the powers and functions of union and state executive, legislature and judiciary
3. To know Concept and Development of Human Rights.
4. To know about Judicial Activism and Human Rights Acts.

Unit I: Indian Constitutional Philosophy

- a) Features of the Constitution and Preamble
- b) Fundamental Rights and Fundamental Duties
- c) Directive Principles of State Policy

Unit II Union and State Executive, Legislature and Judiciary

- a) Union Parliament and State Legislature: Powers and Functions
- b) President, Prime Minister and Council of Ministers
- c) State Governor, Chief Minister and Council of Ministers
- d) The Supreme Court and High Court: Powers and Functions

Unit III: Concept and Development of Human Rights

- a) Meaning Scope and Development of Human Rights
- b) United Nations and Human Rights – UNHCR
- c) UDHR 1948, ICCPR 1996 and ICESCR 1966

Unit IV: Human Rights

- a) Origin and Development of Human Rights
- b) Growing Advocacy and Declining trends of Human Rights
- c) Rights of Schedule Caste, Schedule tribes, Minorities, Children and Women.
- d) Human Rights Defenders and Human Rights organization
- e) Human Rights Violation
- f) Judicial Activism and Human Rights

READINGS

Durga Das Basu, Introduction to the Constitution of India, Prentice – Hall of India Pvt. Ltd.. New Delhi

SubashKashyap, Indian Constitution, National Book Trust

**B. A. B. Ed. Four year integrated course
Third Year-V Semester
CC-TPd.111 - Pedagogy of School Subject - One, Part - II**

मराठी- भाग-2

संपर्क तास : आठवड्यात 02
श्रेयांक : 02

एकूण गुण : 50
बाह्य मूल्यांकन : 35
अंतर्गत मूल्यांकन : 15

उद्दिष्टे

प्रशिक्षणार्थींना

- 1 आशय विश्लेषण ही संकल्पना समजून घेण्यास मदत करणे
- 2 मराठी भाषेचे अध्यापन करत असताना विविध अध्ययन स्रोतांचा वापर करण्यास मदत करणे
- 3 विद्यार्थ्यांना वार्षिक नियोजन, घटक नियोजन, पाठ नियोजन, घटक चाचणीचे नियोजन करण्यास सक्षम बनविणे
- 4 मूल्यमापनाच्या पद्धतीचे आकलन होण्यास मदत करणे
- 5 मराठी भाषेच्या अध्यापकाची गुणवैशिष्ट्ये समजण्यास मदत करणे
- 6 मराठी भाषेच्या अध्यापकासमोरील समस्या जाणून त्यावर उपाय शोधण्यास मदत करणे
- 7 मराठी विषयाच्या अध्यापकाची बदलती भूमिका जाणून घेण्यास सहाय्य करणे

घटक 5 अध्यापनशास्त्रीय विश्लेषण

अ) मराठी विषयाची संरचना

0६ गुण 7 तास

ब) आशय विश्लेषण – अर्थ, महत्त्व, घटक व अध्यापन पद्धतीची निवड

क) अभ्यासक्रम, पाठ्यक्रम व पाठ्यपुस्तक यातील संबंध

ड) चांगल्या पाठ्यपुस्तकाचे निकष

घटक 6 अध्ययनाचे स्रोत**0६ गुण 7 तास**

- अ) छापील स्रोत : क्रमिक पुस्तके, कार्यपुस्तिका, हस्तपुस्तिका इ.
- ब) अध्ययन अनुभव : प्रकार, स्वरूप व निकष
- क) दृक्-श्राव्य साधने : दृक् साधने – प्रक्षेपित, अप्रक्षेपित साधने, श्राव्य साधने, दृक्-श्राव्य साधने
- ड) नाविन्यपूर्ण स्रोत : भाषा प्रयोगशाळा, संगणक, इंटरनेट

घटक 7 नियोजन व मूल्यमापन**0६ गुण 8 तास**

- अ) नियोजन : वार्षिक नियोजन, घटक नियोजन, पाठ नियोजन, घटक चाचणी
- ब) मूल्यमापन : संकल्पना, प्रकार – आकारिक, साकारिक व सातत्यपूर्ण सर्वकष मूल्यमापन
- क) मूल्यमापनाची तंत्रे : मौखिक, लेखी, समवयस्क गटाकडून मूल्यमापन, स्वयंमूल्यमापन
- ड) नैदानिक चाचणी व उपचारात्मक अध्यापन

घटक ८ मराठी भाषेचा अध्यापक**0८ गुण 8 तास**

- अ) अर्हता व गुणवैशिष्ट्ये : मराठी भाषेच्या अध्यापकाची अर्हता व गुणवैशिष्ट्ये
- ब) व्यावसायिक वाढ व विकास : शिक्षक संघटना व विषय संघटना – स्वरूप, गरज व कार्ये
- क) मराठीचे अध्यापन करताना येणा-या समस्या, समस्या निराकरणाच्या कार्यनीती
- ड) मराठी विषयाच्या शिक्षकाची बदलती भूमिका

प्रात्यक्षिक कार्य

पुढीलपैकी कोणतेही एक

15 गुण

- 1) एका उच्च प्राथमिक किंवा एका माध्यमिक स्तरावरील पाठ्यपुस्तकाचे निकषांवर आधारित परीक्षण करणे
- 2) दोन गद्य आणि एका पद्याचे आशयविश्लेषण करणे
- 3) भाषा प्रयोगशाळेला भेट देउन अहवाल तयार करणे
- 4) घटक चाचणीची रचना करून कार्यवाही करणे व अहवाल लिहिणे
- 5) मराठी विषयाच्या शिक्षकाची बदलती भूमिका यावर गटचर्चा करून अहवाल लिहिणे

संदर्भ ग्रंथ

1. कुंडले,म.बा. (1९74), मराठी अध्यापन, पुणे : श्रीविद्या प्रकाशन
2. पाटील, लीला (1९९4), मराठीचे अध्यापन आणि मूल्यमापन, पुणे : व्हीनस प्रकाशन
3. करंदीकर, सुरेश (1९९6), मराठी अध्यापन पद्धती, कोल्हापूर : फडके प्रकाशन
4. दुनाखे, अरविंद (2000), मराठीचे अध्यापन, पुणे : नूतन प्रकाशन
5. पिचड, नलिनी, बरकले रामदास (2005), मातृभाषा मराठीचे अध्यापनशास्त्रीय विश्लेषण, नाशिक: इनसाइट प्रकाशन
6. वास्कर, पुष्पा आनंद (200६), भाषाशिक्षण, पुणे : नित्यनूतन प्रकाशन
7. भालेराव, सुभाष (200६), उद्याच्या शिक्षकांसाठी मराठी शिक्षण, नाशिक : इनसाइट प्रकाशन
८. देशमुख,संगीता (2007), मातृभाषा मराठी अध्यापन पद्धती, औरंगाबाद:साहित्य सेवा प्रकाशन
- 10.गवस, राजन (1९९5), मराठीचे आशययुक्त अध्यापन, पुणे : मेहता प्रकाशन
- 11.जोशी, अनंत (2006), आशययुक्त अध्यापन पद्धती, पुणे : नित्यनूतन प्रकाशन
- 12.करंदीकर सुरेश,मंगळूरकर मीना(2003), मराठी आशयअध्यापन पद्धती, पुणे: फडके प्रकाशन
- 13.भिताडे विनायक आणि इतर (2006), आशययुक्त अध्यापन पद्धती, पुणे: नित्यनूतन प्रकाशन
- 14.सातत्यपूर्ण सर्वकष मूल्यमापन, भाग 1 ते 4, पुणे : महाराष्ट्र राज्य शैक्षणिक संशोधन व प्रशिक्षण परिषद
- 15.दांडेकर, वा. ना. (1९८६), शैक्षणिक मूल्यमापन व संख्याशास्त्र, पुणे : श्रीविद्या प्रकाशन
- 16.जगताप ह. ना. (2006), प्रगत शैक्षणिक तंत्रविज्ञान आणि माहिती तंत्रविज्ञान, पुणे: नित्य नूतन प्रकाशन

B. A. B. Ed. Four year integrated course
Third Year-V Semester

CC-TPd.111 - Pedagogy of School Subject - One, Part - II

शालेय स्तर पर हिंदी भाषा का अध्यापन शास्त्रीय ज्ञान

भाग -2

कुल अंक – 50

कालांश – प्रति सप्ताह – 2

बाह्य मूल्यांकन— 35

क्रेडिट – 2

आंतरिक मूल्यांकन— 15

पाठ्यक्रम के उद्देश्य –

छात्राध्यापक को :-

1. शैक्षिक अनुभूतियों का परिचय कराना तथा मुद्रित सामग्री, दृश्य-श्राव्य सामग्री का विकसन एवं कक्षाध्यापन के दौरान प्रयोग करने में सक्षम बनाना।
2. हिंदी भाषा का अध्ययन शास्त्रीय विश्लेषण करने में सक्षम बनाना।
3. पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तक का परस्पर संबंध बताना एवं पाठ्यचर्या एवं पाठ्यक्रम निर्माण के तत्वों की जानकारी देना।
4. अच्छे पाठ्यपुस्तक के निकष के आधार पर माध्यमिक स्तर की किसी एक कक्षा के पाठ्यपुस्तक का आलोचनात्मक विश्लेषण करने में मदद करना।
5. शालेय नियोजन (वार्षिक, इकाई एवं पाठ नियोजन) समझकर, विविध नियोजन करने की क्षमता विकसित करना तथा इकाई जॉच परीक्षा की रचना एवं कार्यवाही करने में सक्षम बनाना।
6. भाषा मूल्यांकन की प्रक्रिया से परिचित करना।
7. हिंदी अध्यापक की शैक्षिक योग्यता, विशेषताएँ एवं गतिशील भूमिका को समझना।
8. शिक्षालयों में हिंदी अध्यापन की चुनौतियों से अवगत करना एवं उन चुनौतियों का समाधान ढूँढने के लिए प्रवृत्त करना।

इकाई- 5— शैक्षिक अनुभूतियों एवं सहायक सामग्री।**अंक -09 कालांश - 08**

- क. शैक्षिक अनुभूतियों : अर्थ प्रकार (प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष शैक्षिक अनुभूतियों), शैक्षिक अनुभूतियों के निकष।
- ख. सहायक सामग्री - दृश्य सामग्री - (प्रक्षेपित-अप्रक्षेपित) श्राव्य सामग्री, दृश्य-श्राव्य सामग्री।
- ग. मुद्रित सामग्री-किताब, कार्यपुस्तिका, अध्यापक हस्तपुस्तिका, समाचार पत्र, पत्रिकाएँ।
- घ. आधुनिक सामग्री (साधन) : भाषा प्रयोगशाला, संगणक, इंटरनेट।

इकाई-6 — हिंदी भाषा का अध्यापन शास्त्रीय विश्लेषण।**अंक-09****कालांश - 09**

- क. हिंदी भाषा की संरचना : संकल्पना, विशेषताएँ, प्रकार एवं लाभ।
- ख. आशययुक्त अध्यापन पद्धति : संकल्पना, उद्देश एवं महत्व।
आशय - विश्लेषण- अर्थ, स्वरूप, प्रकार। आशय विश्लेषण के अंग। पाठ्यांश का आशय विश्लेषण एवं अध्यापन कार्यनीति का एकात्मिकरण।
- ग. पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तक का सहसंबंध - पाठ्यचर्या एवं पाठ्यक्रम निर्माण के तत्व।
- ड. पाठ्यपुस्तक : पाठ्यपुस्तक के निकष (विशेषताएँ), माध्यमिक स्तर के किसी एक कक्षा की पाठ्यपुस्तक का आलोचनात्मक विश्लेषण।

इकाई- 7— हिंदी भाषा का नियोजन एवं मूल्यांकन।**अंक-09****कालांश -08**

- क. हिंदी भाषा का नियोजन : वार्षिक नियोजन, इकाई नियोजन, पाठ नियोजन, इकाई जॉच परीक्षा (घटक कसौटी) रचना एवं कार्यवाही।
- ख. मूल्यांकन के प्रकार : आकारिक एवं संकलित, सतत और समग्र मूल्यांकन (CCE)
- ग. मूल्यांकन की तकनीकी (तंत्र)-मौखिक एवं लिखित परीक्षा, पोर्टफोलिओ, खुली किताब परीक्षा (Open Book Examination)। सतत मूल्यांकन के साधन, स्वयं मूल्यांकन एवं समूह मूल्यांकन।
- घ. निदानात्मक परीक्षा एवं उपचारात्मक अध्यापन।

इकाई- 8— हिंदी अध्यापक।**अंक-08****कालांश -05**

- क. हिंदी अध्यापक की शैक्षिक योग्यताएँ एवं विशेषताएँ।
- ख. व्यावसायिक विकास : व्यावसायिक विकास में अध्यापक संघटन की भूमिका एवं कार्य, व्यावसायिक विकास हेतु आवश्यक उपक्रम।

- ग. हिंदी अध्ययन – अध्यापन में निर्माण होनेवाली समस्याएँ एवं उनके निराकरण के लिए सुझाव।
- घ. बदलते परिप्रेक्ष्यमें हिंदी अध्यापक की भूमिका—अभिभावकं, समाज, एवं, सहयोगियों के संदर्भ में।

परियोजना कार्य (Sessional Work) निम्नलिखित में से कोई एक।

15

1. किसी एक पाठशाला का दौरा कर के हिंदी भाषा अध्यापन में संगणक का प्रयोग किस प्रकार से किया जाता है, इसका एक रिपोर्ट तैयार कीजिए।
2. किन्ही तीन घटकों का विस्तृत आशय विश्लेषण कीजिए।
3. कक्षा पाँच से दस तक किसी एक पाठ्यपुस्तक का उसके विशेषताओं के आधारपर परीक्षण कीजिए।
4. किसी इकाई पर आधारीत इकाई जॉच परीक्षा तैयार करके एवं उसका क्रियान्वयन कर के रिपोर्ट तैयार कीजिए।
5. हिंदी भाषा के अध्यापक की बदलती भूमिका पर गुटचर्चा कर के रिपोर्ट प्रस्तुत कीजिए।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. भाटिया एम.एस.और नारंग सी.एस. आधुनिक हिंदी शिक्षण विधियाँ प्रकाश ब्रदर्स लुधियाना।
2. भाई योगेन्द्रजीत (1991) हिंदी भाषा शिक्षण, विनोद पुस्तक मंदिर रांगेय राघवमार्ग, आगरा।
3. गोरे बलभीम राज (1985) हिंदी अध्ययन : स्वरूप एवं समस्याएं संचयन प्रकाशन, कानपूर
4. केशव प्रसाद (1989) हिंदी शिक्षण, धनपतराय एण्ड सन्स दिल्ली
5. केणी सज्जन राय और कुलकर्णी हरिकृष्ण (1964) हिंदी अध्यापन पद्धति विनस प्रकाशन पुणे।
6. लहरी राजेंद्रप्रसाद (1966) हिंदी शिक्षण राम प्रसाद एण्ड सन्स, आगरा।
7. मुखर्जी श्रीधरनाथ (1965) राष्ट्र भाषा की शिक्षा आचार्य बुक डेपो बडौदा।
8. पाण्डेराय शकल (1991) हिंदी शिक्षण, मुद्रणालय आगरा।
9. पंडितवं. बि. (1991) हिंदी अध्यापन, नूतन प्रकाशन, सदाशिवपेठ पुणे।
10. साठे ग.नं. (1962) राष्ट्र भाषा का अध्यापन, महाराष्ट्र राष्ट्र भाषा सभा प्रकाशन, पुणे।
11. सिंहसावित्री (1986) हिंदी शिक्षण मेरठ इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाऊस मेरठ।
12. वास्कर आनंद और वास्कर पुष्पा (1993) हिंदी आशययुक्त अध्यापन पद्धती, मेहता पब्लिशिंग हाऊस पुणे.

13. वास्कर पुष्पा आनंद (2002) शिक्षण प्रशिक्षण और हिंदी अध्यापन, नित्य नुतन प्रकाशन, पुणे
 14. वास्कर आनंद वास्कर पुष्पा (2009) भाषा शिक्षण L1L2 नित्य नुतन प्रकाशन पुणे।
 15. तिवारी भोलानाथ (1988) हिंदी भाषा शिक्षण साहित्य सहकार. नई दिल्ली।
-

B. A. B. Ed. Four year integrated course
Third Year-V Semester
CC-TPd.111 - Pedagogy of School Subject - One, Part - II

ENGLISH - Part- Two

Contact Hours: 02 Hours Per week	Total Marks: 50
Credit: 02	External Assessment: 35
	Internal Assessment: 15

Course Objectives: After completion of the course the student teachers will be able to –

1. develop and use of learning resources in the classroom both print and audio visual resources and computer and web resources .
2. understand the pedagogical analysis of English language and content.
3. develop an insight into the symbiotic relationship between curriculum, syllabus and textbooks.
4. understand the steps of year plan, unit plan, lesson plans, and unit plan.
5. understand the process of language assessment.
6. understand the qualities and qualifications and changing role of an English teacher.
7. understands the problems faced by the teachers in teaching English in Indian schools.

UNIT V - LEARNING RESOURCES

(09 Marks, 8 hrs)

- a) Print resources: Resources for communicating verbal experiences: textbook, workbook, and instructional material
- b) Learning experiences: types, nature, criteria of good learning experiences
- c) Audio Visual Aids: *Audio Resources*: meaning, purpose, Educational radio broadcast, Tape recorder *Visual Resources*: meaning, purpose, *Non- projected visual resources*: - graph, map, poster, models and materials, *Projected visual resources*; - still visuals – slides, transparencies, film strips. Moving visuals – film, video, animation
- d) Innovative Resources: Language laboratory, computer and web resources for ELT and ELL

UNIT VI - PEDAGOGICAL ANALYSIS**(09 Marks, 8 hrs)**

- a) Structure: Structure of English language
- b) Content Analysis: Meaning ,components of content analysis, and selection of teaching strategies
- c) Curriculum, Syllabus and Textbook: Understanding the relationship between curriculum, syllabus and textbook
- d) Textbook: Criteria of Good textbook and critical analysis of any standard textbook at secondary level

UNIT VII - PLANNING AND EVALUATION**(09 Marks, 7 hrs)**

- a) Planning: Year plan, unit plan, lesson plan (Difference between conventional and constructivist lesson plan),and unit test
- b) Types of Evaluation: Formative, summative and continuous comprehensive evaluation (CCE)
- c) Techniques of Evaluation: oral, written, portfolio, cloze test, self evaluation and peer evaluation
- d) Testing: Diagnostic test and remedial teaching

UNIT VIII - ENGLISH TEACHER**(08 Marks, 7hrs)**

- a) Qualification and Qualities: Essential qualifications and qualities of an English teacher
- b) Professional growth and Development: Professional organizations, professional growth and development of English teacher
- c) Problems: Problems faced by the teacher in teaching English in Indian schools and suggestions for improvement
- d) Role of the Teacher: Changing role of English teacher in terms of students, parents, society and with colleagues

Sessional work : Any one of the following**(15 marks)**

1. Select any two units of English textbook at secondary level and Prepare innovative resources for ELT and ELL.
2. Write a report on current practices of assessment and evaluation at upper primary stage.
3. Take a review of the methods for measuring portfolio performance of students

4. Prepare one conventional lesson plan and one on constructivist lesson plan (on the same unit) and comparative study of its effectiveness on students' classroom performance.
5. Take interview of five students having special needs and their parents keeping in mind the following points
 - a. Family and social background
 - b. Financial position
 - c. Expectations from the school and society
 - d. Academic achievement of the students
 - e. Barriers in their learning etc.

References :

- Bhatia K. K. (1996) New Techniques of Teaching English as a Foreign Language, Jalandhar, New academic Publishers.
- Bose Kshanika (1979) Teaching of English a Modern approach, New Delhi, Dhoba House

B. A. B. Ed. Four year integrated course
Third Year-V Semester
CC-TPd.112 - Pedagogy of School Subject - Two, Part - II

HISTORY PART- II

Contact Hours: 02 Hours Per week	Total Marks: 50
Credit: 02	External Assessment: 35
Total Instructional Hours : 30	Internal Assessment: 15

Course Objectives:

After completion of the course the student teachers will be able to --

1. be acquainted with teaching learning resources for teaching history.
2. understand the assessment of learning in history.
3. develop the ability to plan and design various types of lesson in history.
4. acquainted with contextual issues of learning in historical context.
5. understand the pedagogical analysis of history.

UNIT – V PLANNING AND ASSESSMENT OF HISTORY (10 marks,9 hrs)

- a) Year plan, Unit plan and Unit test.
- b) Lesson Plan – General (objective based), I.T. based, Constructivist.
- c) Diagnostic test and Remedial Teaching.
- d) Comprehensive and Continuous Evaluation.

UNIT – VI CONTEXTUAL ISSUES OF LEARNING HISTORY (5 Marks,6hrs)

- a) 5th to 8th std. textbook content.
- b) 9th to 10th std textbook content.

UNIT – VII PEDAGOGICAL ANALYSIS OF HISTORY (10 Marks,8hrs)

- a) Concept, Objectives and importance of Pedagogical analysis.
- b) Content-cum methodology approach.
- c) Content analysis.
- d) Critical analysis of textbook.

UNIT – VIII PROFESSIONAL DEVELOPMENT OF HISTORY TEACHER

(10 Marks,7hrs)

- Qualities of History Teachers.
- Professional growth of history teachers.
- History Teachers Organization- its contribution in professional development.
- Challenges faced by the history teacher in present day context.

Sessional work :Any one of the following

(15 Marks)

- Planning and construction of Year Plan Unit Plan and Unit test in history.
- Report writing on visit to historical place.
- A critical study of history text book.
- Write a script for an e-content of concept in history.
- Analysis of content on one unit.

References :

- Ballord. M. (1979), New Movement in Study Teaching of History, temple smith, London
- Koccher, S. K., (1966), Teaching of History, Sterling Publishers pvt. Ltd.
- NCERT, (1970), Teaching History in secondary school publication, delhi
- Singh,D. R., (1959), The Teaching of History and Civics, Jullundar University
- Vajeswari, R., (1973), Hand book of History teachers , Allied Publications, Mumbai
- NCERT and state textbooks of History at secondary level
- आठवले, सदाशिव. (१९६७). इतिहासाचे तत्त्वज्ञान. पुणे : प्रज्ञा पाठशाळा मंडळ (रंजि.)
- ओडेयर, सुशीला. (१९९४). आशययुक्त अध्यापन पद्धती. पुणे: महेता पब्लिशिंग हाऊस.
- खैर, गजानन व छापेकर, ल.नी. (१९७५). पाठ्यपुस्तकाचे संशोधनात्मक समीक्षण. पुणे : महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती
- व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ.
- जरग, नामदेवराव. (२०१३). सर्वांगीण विकास व सातत्यपूर्ण सर्वकंष मूल्यमापन. पुणे : महाराष्ट्र राज्य शैक्षणिक संशोधन व
- प्रशिक्षण परिषद.
- टिकेकर, श्री. रा. (१९६३). इतिहास संचार. पुणे : व्हीनस प्रकाशन.
- ठिंगळे, मा. (१९६१). इतिहास कसा शिकवा व शिकवावा, पुणे : सुहास प्रकाशन.
- तिवारी, सी.म. (१९८७). इतिहास अध्यापन पद्धती. पुणे : नुतन प्रकाशन.
- दुनाखे, अरविंद. (२००५). इतिहास अध्यापन पुणे : नुतन प्रकाशन.

- बेडगे, अ.मु. (२००९). शिक्षक मार्गदर्शिका इयत्ता ८ वी. पुणे : महाराष्ट्र राज्य शैक्षणिक संशोधन व प्रशिक्षण परिषद.
 - बेडगे, अ.मु. (२००९). प्राथमिक शिक्षण अभ्यासक्रम इयत्ता ८ वी भाषा व सामाजिक शास्त्रे. पुणे : महाराष्ट्र राज्य शैक्षणिक
 - संशोधन व प्रशिक्षण परिषद.
 - बोकील, वि.पा. (१९८७). इतिहास अध्यापन पद्धती. पुणे : चित्रशाळा प्रकाशन.
 - शिंदे, बापुसाहेब. (२००९). शिक्षक हस्तपुस्तिका इयत्ता ८ वी इतिहास नागरिकशास्त्र. इतिहास शिक्षक महामंडळ.
 - शिंदे, ज्ञानदेव व टोपकर, रेखा. (२००९). इतिहासाचे आशययुक्त अध्यापन. पुणे : नित्य नुतन प्रकाशन.
 - सिंह, रामपाल. (१९९४). इतिहास शिक्षण. मेरठ : सुर्य पब्लिकेशन.
 - संत, दु.का. (१९६६). संशोधन पद्धती प्रक्रिया व अंतरंग. पुणे : विद्यार्थी गृह प्रकाशन.
 - हजिरनीर, व.ग. (१९८९). इतिहास अध्यापन पद्धती एक दृष्टीकोन. पुणे : नुतन प्रकाशन.
-

B. A. B. Ed. Four year integrated course
Third Year-V Semester
CC-TPd.112 - Pedagogy of School Subject - Two, Part - II

Geography Part- II

Contact Hours: 02 Hours Per week	Total Marks: 50
Credit: 02	External Assessment: 35
Total Instructional Hours : 30	Internal Assessment: 15

Course Objective : To enable student teacher to-

- 1) be acquainted with Teaching strategies & learning resources in Geography.
- 2) to understand the assessment of learning in Geography.
- 3) to understand the construction approach in teaching learning of Geography.
- 4) be acquainted with research & development in teaching-learning of Geography.
- 5) be acquainted with professional development of Geography teacher.
- 6) to acquire basic knowledge & skills in Geography

Unit – 5 : Teaching strategies in Geography. (9 marks, 8hrs)

- a) Methods : Project, laboratory, comparative.
- b) Strategies - projects, field work supervised study co-operative & collaborative study teaching strategies.
- c) Models of Teaching-Concept, meaning, classification of the models, use of concept attainment, advance organizer & Inquiry training model.

Unit – 6 : Learning Resource & Assessment of learning in Geography. (9 marks, 8hrs)

- a) Learning resources – support system Geography club, Geography fair, exhibition, museum, excursion, local geographical area, observation of the sky.
- b) Geography Lab – Importance & utilization/
- c) Assessment of Learning in Geography-Year plan, unit plan, unit test , blue print, marking scheme, diagnostic approach & remedial teaching in Geography,
- d) Open book test-Nature & implementation

Unit – 7 : Research & Development in teaching-learning of Geography (9 marks, 7 hrs)

- a) Contribution of scientist in Geography- Alexunder ven, Humbolt, carl Ritter Friedrich Ratzel, Vidal de La Bluche.
- b) Action Research – different areas of action research in Geography.
- c) GIS & GPS Techniques in Geography-Introduction of GIS & GPS its meaning, nature & importance in geography.
- d) Introduction of Geographical institutes – State, National & international level.

Unit – 8 : Professional Development of Geography teacher (8 marks, 7 hrs)

- a) Qualification & qualities of Geography teacher.
- b) Professional growth of Geography teacher, Geography teacher organization & its contribution of professional development.
- c) Developing skills in Geography & Geography teaching - map reading & interpreting Geographical information, study the Environmental degradation of local area & its preservation methods, study any disaster in local or global levels.
- d) Innovative practices in teaching Geography.

Sessional work (Any One)

(15 Marks)

1. Design two learning Activity as a Geography club.
2. Prepare two lesson plan of constructivist approach in Geography.
3. Prepare action research proposal in Geography.
4. Report writing on to visit Geographical place.
5. Prepare one unit year plan and one unit test in Geography.

References :

- त्रिभुवन, सोफिया भा., (२००९), दृष्टिक्षेपात भूगोल अध्यापन, नित्यनूतन प्रकाशन, पुणे-२
- गोरे, सुग्रीव व उलभगत, चंदक्रांत (२००९), भूगोल आशययुक्त अध्यापन, नित्यनूतन प्रकाशन, पुणे-२
- प्रभुणे, पद्मजा, (२००९). भूगोल अध्यापन पद्धती, नित्य नूतन प्रकाशन, पुणे-२
- पाटील, ओजस्विनी (२००८). भूगोल अध्यापन पद्धती, विद्या प्रकाशन, नागपूर.
- बापट, भा. गो. (२००७). भूगोल अध्यापन आणि अध्ययन, व्हीनस प्रकाशन, पुणे.
- जाधव, एम. आर., (२००५). भूगोल अध्यापन पद्धती एक दृष्टिक्षेप, चैतन्य प्रकाशन, कोल्हापूर.

- पौक्ष, द. बा. (२००३). भूगोलाचे अध्यापन, नूतन प्रकाशन, पुणे-३०
- पाटील, उषा ब. जोशी सुरेखा, आशयुक्त अध्यापन पद्धती तंत्र भूगोल.
- रजपूत, कुलदीपसिंह व सारूक, विक्रम (२०११). उद्याच्या शिक्षकांसाठी भूगोल शिक्षण, इनसाईट पब्लिकेशन, नाशिक.
- Aggrawal, (2000). Modern method of teaching Geography, New Delhi Swaup & sons

Websites :

- 1) <http://www.curriculumonline.in>
 - 2) www.teachingideas.co.uk/geography.contents.com
 - 3) [www.science. Nutionalgeographic.com](http://www.science.Nutitionalgeographic.com)
-

B. A. B. Ed. Four year integrated course
Third Year-V Semester
 CC-P 501 Conduct of Action Research Workshop

कृतिसंशोधन कार्यशाळा

Class Hours –24+36

श्रेयांक– 02

उद्दिष्टे— छात्राध्यापकास,

1. कृतिसंशोधनाची उपयुक्तता आजमावण्यास मदत करणे.
2. कृतिसंशोधनाचे स्वरूप, वैशिष्ट्ये, महत्त्व समजावण्यास मदत करणे.
3. कृतिसंशोधनाच्या विषय निश्चितीची क्षेत्रे समजावून देणे.
4. शालेय शिक्षण प्रक्रियेतील समस्या जाणून घेण्यास मदत करणे .
5. कृतिसंशोधन आराखड्याचे टप्पे व प्रत्येकाचे महत्त्व समजावून सांगणे.
6. कृतिसंशोधन आराखड्यातील प्रस्तावनेमधील – कृतिसंशोधनाची गृहितके, उद्दिष्टे, प्रकल्पाची व्याप्ती व मर्यादा, संशोधनासाठी नियोजित कार्यपद्धतीचे स्वरूप, नमुना निवड, सामग्री संकलनाची साधने व तंत्रे, सामग्री संकलनाच्या कार्यवाहीचे स्वरूप, सामग्री विश्लेषण करण्यासाठीच्या प्रक्रियेचे स्वरूप, संशोधन कार्याचे वेळापत्रक व प्रकरण योजना, संशोधन कार्याच्या खर्चाचे अंदाजपत्रक या सर्व बाबी समजावून देणे.
7. कृतिसंशोधन आराखडा तयार करून घेणे
8. समस्या निराकरणासाठी कृती संशोधन करण्यास मदत करणे

योग्य कालखंड –जुलैचा दुसरा आठवडा–सैद्धांतिक माहिती द्यावी व शालेय अनुभव कार्यक्रमात संशोधन पूर्ण करावे.

कार्यनीती –

1. प्रत्येक अध्यापन पद्धतीच्या मार्गदर्शकांनी तिसऱ्या टर्मच्या सुरुवातीला कृतिसंशोधनावरील संदर्भ पुस्तकांची यादी द्यावी.
2. कृतिसंशोधनाच्या तात्त्विक भागावर व्याख्याने आयोजित करावीत.
3. कृतिसंशोधनाचे स्वरूप, वैशिष्ट्ये, महत्त्व व गरज या भागासाठी दोन घड्याळी तास द्यावेत. तसेच विषय निश्चितीची क्षेत्रे यासाठी दोन घड्याळी तास देऊन प्रशिक्षणार्थींना प्रथम अध्यापन पद्धतीनुसार गटामध्ये बसवून त्यांच्या विषयाच्या मार्गदर्शकांनी प्रत्येक विद्यार्थ्याचे विषय निश्चित करून द्यावेत.
4. प्रशिक्षणार्थींचे विषय निश्चित झाल्यानंतर कृतिसंशोधनातील प्रत्येक बाबीचे व्यवस्थित विवेचन करण्यासाठी तासिका किंवा घड्याळी तास द्यावेत.
5. वरील सर्व बाबी प्रशिक्षणार्थींच्या लक्षात आल्यानंतर लेखन करून घ्यावे.

6. प्रत्येक अध्यापन पद्धतीच्या मार्गदर्शकानी कच्चा आराखडा तपासावा. त्यातील दुरुस्त्या समजावून द्याव्यात व त्यानंतर कृतिसंशोधनाचा पक्का आराखडा तयार करायला सांगावे.
7. कृतिसंशोधन आराखडा हस्ताक्षरामध्येच विद्यार्थ्यांकडून लिहून घ्यावा

नियोजन

- | | |
|---|-------|
| 1. कृतिसंशोधन संकल्पना व संशोधन समस्येची क्षेत्रे | 1 तास |
| 2. कृतिसंशोधन आराखडा यावर - व्याख्यान | 1 तास |
| 3. समस्या निश्चिती (गट कार्य) | 1 तास |
| 4. कृतिसंशोधन आराखडा आराखडा तयार करणे (गट कार्य) | 2 तास |
| 5. संबंधित साहित्य आढावा -व्याख्यान | 1 तास |
| 6. कृति संशोधन कार्य पद्धती | 1 तास |
| 7. संबंधित साहित्य आढावा घेणे (ग्रंथालय कार्य) | 4 तास |
| 8. अहवाल लेखन -व्याख्यान | 2 तास |
| 9. संशोधन कार्य अमलबजावणी उमेदवारी योजना कालखंड | 6 तास |
| 10. माहितीचे विश्लेषण अर्थनिवर्चन व निष्कर्ष -व्याख्यान | 2 तास |
| 11. अहवाल लेखन | 3 तास |

B. A. B. Ed. Four year integrated course
Third Year-VSemester
CC-P 502Psychological Testing Workshop

मानसशास्त्रीय मापन व समुपदेशन कार्यशाळा

Hours – 24

गुण :- २५

श्रेयांक—1

उद्दिष्टे—विद्यार्थी शिांना

१. मानसशास्त्रीय मापनाचा अर्थ ,संकल्पना व गरजांचे आ लन हो यास मदत रीे.
२. मानसशास्त्रीय चाच यांचे प्रार, वैशिष्ट्ये, फायदे व मर्यादा यांचे आ लन हो यास मदत रीे.
३. मानसशास्त्रीय चाच यांच्या प्रशासनाचे तंत्र आत्मसात र यास मदत रीे.
४. मा र्दर्शन व समुपदेशनाचे तंत्र समजून घे यास मदत रीे.
५. मानसशास्त्रीय चाच यांचे प्रशासन, मा र्दर्शन व समुपदेशन याबाबतच्या ज्ञानाचा प्रभावी वापर र यास मदत रीे.

योग्य कालखंड —. सत्र ३

प्रात्यक्षिकांसाठी पूर्वावश्यक तात्विक भाग —शैशवावस्था, कुमारवस्था, अध्ययन व अध्यापन हा भाग

शिकवून पूर्ण झाला पाहिजे.

प्रात्यक्षिकासाठी आवश्यक आधारप्रणाली —संदर्भ पुस्तके, मानसशास्त्रीय चाच या/क्वसोटया

प्रात्यक्षिकाचा आशय व आयोजन —

अ. .	दिनां	ालावधी	व्या यान/ टार्य
१	१ ला दिवस	२ तास	र्यशाळा उद्देश व माहिती मानसशास्त्रीय मापन :अर्थ, संकल्पना व गरज
		४ तास	मानसशास्त्रीय मापन : चाच यांचे प्रार व वैशिष्ट्ये, प्रकारानुरूप गुण व मर्यादा ,उपयो ।

२	२रा दिवस	२ तास	मानसशास्त्रीय चाच यांच्या प्रशासनाचे तंत्र
		२ तास	मा'दर्शन व समुपदेशन : संकल्पना व फरक
		२ तास	मा'दर्शन व समुपदेशनाचे तंत्र
३	३ रा दिवस	४ तास	शि । प्रशि । ाथ्यावर मानसशास्त्रीय चाच यांचे प्रशासन व विश्लेषण (किमान २)
		२ तास	मा'दर्शन व समुपदेशन
४	४ था दिवस	६ तास	प्रत्यक्ष शाळेत विद्यार्थ्यांवर किमान एका मानसशास्त्रीय चाच णीचे प्रशासन, मा'दर्शन व समुपदेशन

मूल्यमापन पध्दती —

महाविद्यालयातील ुर्बुहेतील सहभाग	- ०५ गुण
प्रत्यक्ष शाळेतील कार्यवाही	- १० गुण
अहवाल	- १० गुण

अहवाल रूपरेषा

- १) सैध्दांतिक माहिती
- २) महाविद्यालयातील मानसशास्त्रीय चाच णी प्रशासनाचे स्वतःचे अनुभव
- ३) प्रत्यक्ष शाळेत विद्यार्थ्यांवरील चाच णी प्रशासनाचे स्वतःचे अनुभव व समुपदेशन

**B. A. B. Ed. Four year integrated course
Third Year-VI Semester**

CC-T 113KNOWLEDGE AND CURRICULUM PART-II

Contact Hours: 02 Hours Per week	Total Marks: 50
Credit: 02	External Assessment: 35
Total Instructional Hours :30	Internal Assessment: 15

Objectives –

To enable the student-teacher to :

- 1) understand philosophy of education constitution Kothari commission NCF (2005) state policy on education 2010.
- 2) understand national and international awareness through Education.
- 3) realize the contribution of educational thinkers.
- 4) understand role of state in the curriculum.
- 5) understand role of hidden curriculum.
- 6) understand social reconstruction through curriculum.
- 7) understand the relation of curriculum and school practices.
- 8) help to analyze the textbook, teachers' handbook and child centered literature in reference to curriculum.
- 9) understand the role of teacher in implementation of curriculum.

Unit V Education and Philosophy

(9 marks 8 hrs)

- A. Post Independence philosophy of Education- Constitution, Kothari commission ,NCF (2005), state policy on Education 2010.
- B. Education for Human Rights, Democratic education, education for social mobility, Education and development.
- C. Difference between information and knowledge, Difference between belief and truth. Difference between knowledge and skills,

Unit VI Thinkers and Teachers

(9 marks 8 hrs)

- A. Contribution of Thinkers in Education.
with reference to :- Mahatma Gandhi
- Ravindranath Tagore

- Montecery
- Pleto
- B. Role and skills for Teacher in 21st century.
- C. Changing role of the teacher.
- D. Changing concept of education to related to school, curriculum, learner, teaching and learning

Unit VII Curriculum

(8 marks 7 hrs)

- A. Role of state in the curriculum .
- B. The Role of hidden curriculum and children resilience.
- C. The relation between powers, ideology and the curriculum.
- D. Introduction to the challenges of 21st century with respect to Indian society – urbanization, privatization, globalization.

Unit VIII Curriculum and social Practices

(9 marks 7 hrs)

- A. Role of Curriculum at school and class level and concept of hidden Curriculum.
- B. School discipline and rules, school timetable – concept and their interrelation with curriculum.
- C. Analysis of textbook, teachers' handbook and children's literature with reference to curriculum.
- D. Role of Teachers in implementation of curriculum
 - 1. Construction of curriculum objectives in local situations.
 - 2. Searching references for learning.
 - 3. Development of learning resources and different learning experiences.
 - 4. Management of physical facilities.

Sessional work :

15

Marks

Any one of the following :

- 1) Report on the contribution of any Thinker or social reformer in the field of education.
- 2) Report on the study of an impact of the state's new programmer's -
 - i.e.i) Constructivism.
 - ii) mid-day meal.
 - iii) children centered education in the education of the children, dropouts etc.
- 3) Panel Discussion on any unites from the curriculum .
- 4) Seminars on any unites from the curriculum .
- 5) Report on the role of curriculum on the children and parents.
- 6)

Reference Semester -4

- 1) Mohit Chakrabarh (2005) Education in the 21st century , Delhi Kalpar publications.
- 2) Choudhry , U.S. (1986) Issues and advances in Education, Ajanta publishing house.
- 3) NCF 2005.
- 4) N. R. Swaroop Saxena, Sikha Chaturvedi. (2006) Education in Emerging Society. Delhi, R. Lall Book Depot.
- 5) Dr. R. N. Sharma. (2006) Education in Emerging Society. Delhi, Surjeet Publications.
- 6) 'WHO' life skills.
- 7) अकोलकर ग. वि. (1973). शैक्षणिक तत्त्वज्ञानाची रुपरेषा. पुणे श्रीविद्या प्रकाशन.
- 8) कुंडले म. बा.. (1973). शैक्षणिक तत्त्वज्ञान व शैक्षणिक समाजशास्त्र. पुणे श्रीविद्या प्रकाशन.
- 9) दुनाखे अ.रा. (1998). प्रगत शैक्षणिक तत्त्वज्ञान. पुणे नूतन प्रकाशन.
- 10) पवार ना.ग.. (1995). शिक्षणक्षेत्रातील विचारवंत. पुणे नूतन प्रकाशन.
- 11) भगत रा. तु. (1994). थोर शिक्षणतज्ज्ञ. पुणे गो. य. रोळे प्रकाशन.

CC-T 114 Creating an Inclusive School

Contact Hours: 02 Hours Per week	Total Marks: 50
Credit: 02	External Assessment: 35
Total Instructional Hours : 30	Internal Assessment: 15

Course Objectives :- To enable the students teacher :

1. To understand Inclusive Education Concept and Nature
2. To understand the role of Inclusive school in modern times and meaning of Inclusive school.
3. To understand the role of teachers in Inclusive Classroom.
4. To enable the students to organize inclusive Classroom.
5. To enable students to understand various types of students.

Unit I. :- Inclusive Education Concept and Nature. (9 Marks , 8hrs)

- A. Concept, and meaning of Inclusive Education.
- B. Principles and Benefits on Inclusive Education
- C. Policies and National legislations for Inclusive Education.
- D. Government schemes and provisions.
- E. Different types of special children.

Unit II :- Need & Significance of inclusive Education (9 Marks , 8hrs)

- A. Need of inclusion education.
- B. Objectives of inclusive Education.
- C. Education for visually & hearing impaired children.

D. Education for gifted & creative children.

E. Integration of Physical, Mental

Unit III. :- Inclusive School

(9 Marks , 7 hrs)

- A. Concepts meaning of an Inclusive school Infrastructure and accessibility, human resources, resources, attitudes to disability, whole school approach
- B. Infrastructure facilities for an ideal Inductive school.
- C. Role of Inclusive school in modern times.
- D. Inclusive classroom management and organization.
- E. Special education for special children.

Unit IV. :- Teachers Role in Inclusive classroom.

(8 Marks , 7hrs)

- A. Qualities of an Inclusive teachers.
- B. Teachers role in shaping the Inclusive classroom.
- C. Inclusive teachers education in facilitating Inclusive education.
- D. Guidance and counseling for Inclusive Teachers students and principals.

Sessional Work ; Any one of the following

Mark 15

- 1. Visit to an Inclusive school and prepare a report
- 2. A study of Inclusive school plant and compare with high excellent school.
- 3. Design and evaluate an Inclusive education programmed.
- 4. A study of any one N.G.O Promoting Inclusive education.
- 5. Visit to special ,degraded and inclusive classroom. Reflective journal writing .

Reference books :-

- 1. An scow, m,(1994) special need & the classroom : UNENSCO Publication
- 2. Heward, W.L (1998) Exceptional children, Chicago : meril phiplishing co.
- 3. Panda K.C. (2002) Education of exceptional children : New Delhi Vikas publication house pvt. Ltd.

CC-P 601 Conduct and Submission of Action Research Report

कृतिसंशोधन अहवाल सादरीकरण

Class Hours –18 श्रेयांक– 01 गुण –25

उद्दिष्टे— छात्राध्यापकास,

9. कृतिसंशोधनाची उपयुक्तता आजमावण्यास मदत करणे.
10. कृतिसंशोधनाचे स्वरूप, वैशिष्ट्ये, महत्त्व समजण्यास मदत करणे.
11. कृतिसंशोधनाच्या विषय निश्चितीची क्षेत्रे समजावून देणे.
12. शालेय शिक्षण प्रक्रियेतील समस्या जाणून घेण्यास मदत करणे .
13. कृतिसंशोधन आराखड्याचे टप्पे व प्रत्येकाचे महत्त्व समजावून सांगणे.
14. कृतिसंशोधन आराखड्यातील प्रस्तावनेमधील — कृतिसंशोधनाची गृहितके, उद्दिष्टे, प्रकल्पाची व्याप्ती व मर्यादा, संशोधनासाठी नियोजित कार्यपद्धतीचे स्वरूप, नमुना निवड, सामग्री संकलनाची साधने व तंत्रे, सामग्री संकलनाच्या कार्यवाहीचे स्वरूप, सामग्री विश्लेषण करण्यासाठीच्या प्रक्रियेचे स्वरूप, संशोधन कार्याचे वेळापत्रक व प्रकरण योजना, संशोधन कार्याच्या खर्चाचे अंदाजपत्रक या सर्व बाबी समजावून देणे.
15. कृतिसंशोधन आराखडा तयार करून घेणे
16. शमस्या निराकरणासाठी कृती संशोधन करण्यास मदत करणे

योग्य कालखंड —जुलैचा दुसरा आठवडा—सैद्धांतिक माहिती द्यावी व शालेय अनुभव कार्यक्रमात संशोधन पूर्ण करावे.

कार्यनीती —

8. प्रत्येक अध्यापन पद्धतीच्या मार्गदर्शकानी तिसऱ्या टर्मच्या सुरुवातीला कृतिसंशोधनावरील संदर्भ पुस्तकांची यादी द्यावी.
9. कृतिसंशोधनाच्या तात्त्विक भागावर व्याख्याने आयोजित करावीत.
10. कृतिसंशोधनाचे स्वरूप, वैशिष्ट्ये, महत्त्व व गरज या भागासाठी दोन घड्याळी तास द्यावेत. तसेच विषय निश्चितीची क्षेत्रे यासाठी दोन घड्याळी तास देऊन प्रशिक्षणार्थींना प्रथम अध्यापन पद्धतीनुसार गटामध्ये बसवून त्यांच्या विषयाच्या मार्गदर्शकांनी प्रत्येक विद्यार्थ्याचे विषय निश्चित करून द्यावेत.
11. प्रशिक्षणार्थींचे विषय निश्चित झाल्यानंतर कृतिसंशोधनातील प्रत्येक बाबीचे व्यवस्थित विवेचन करण्यासाठी तासिका किंवा घड्याळी तास द्यावेत.
12. वरील सर्व बाबी प्रशिक्षणार्थींच्या लक्षात आल्यानंतर लेखन करून घ्यावे.
13. प्रत्येक अध्यापन पद्धतीच्या मार्गदर्शकानी कच्चा आराखडा तपासावा. त्यातील दुरुस्त्या समजावून द्याव्यात व त्यानंतर कृतिसंशोधनाचा पक्का आराखडा तयार करायला सांगावे.

14. कृतिसंशोधन आराखडा हस्ताक्षरामध्येच विद्यार्थ्यांकडून लिहून घ्यावा
नियोजन

12. कृतिसंशोधन संकल्पना व संशोधन समस्येची क्षेत्रे	1 तास
13. कृतिसंशोधन आराखडा यावर - व्याख्यान	1 तास
14. समस्या निश्चिती (गट कार्य)	1 तास
15. कृतिसंशोधन आराखडा आराखडा तयार करणे (गट कार्य)	2 तास
16. संबंधित साहित्य आढावा -व्याख्यान	1 तास
17. कृति संशोधन कार्य पद्धती	1 तास
18. संबंधित साहित्य आढावा घेणे (ग्रंथालय कार्य)	4 तास
19. अहवाल लेखन -व्याख्यान	2 तास
20. संशोधन कार्य अमलबजावणी उमेदवारी योजना कालखंड	6 तास
21. माहितीचे विश्लेषण अर्थनिवर्चन व निष्कर्ष -व्याख्यान	2 तास
22. अहवाल लेखन	3 तास

गुणदान योजना

1. कृतिसंशोधन आराखडा	05
2. कृति संशोधनाचे शिर्षक	05
3. समस्या निवडीची कारणे	02
4. कृति संशोधन परिकल्पना तयार करणे	05
5. परिकल्पनांची पडताळणी	05
6. निष्कर्ष	03

CC-P 602 School Internship

4 Weeks श्रेयांक- 04 गुण -100

B-3: School Internship Stage I

शालेय आंतरवासिता टप्पा-1

1. B-2 : Field Engagement Hours – 36 Credit – 01 Marks – 25

2. B-3: School Internship Hours – 108 Credit – 4 Marks – 100

गुण :- 25+100 तासिका :-36+108=144 श्रेयांक :-1+4 = 5

कालावधी:- (1+3) आठवडे (15 जानेवारीपासून प्रारंभ)

प्रथम वर्गाच्या द्वितीय सत्रात शालेय आंतरवासिता कार्यक्रमांमध्ये क्षेत्रीय सहभाग, सराव पाठ व शालेय अनुभव कार्यक्रम यांचा अंतर्भाव करण्यात आला आहे.

अ. न.	शालेय आंतरवासिता तपशील	गुण
1	सराव पाठ	40
2	शालेय अनुभव कार्यक्रम	60

1. सरावपाठ पूर्वतयारी :-

प्रात्यक्षिकाच्या नियोजनासाठी एका प्राध्यापकाची प्रमुख म्हणून नेमणूक करावी. सराव पाठ शाळाच्या सर्व मुख्याध्यापकास लेखी कळवून कार्यक्रमाचा कालावधी निश्चित करून घ्यावा. महाविद्यालयाने संबंधित शाळेतील मुख्याध्यापक/पर्यवेक्षक/जेष्ठ शिक्षक यांची सहविचार सभा आयोजित करून शालेय आंतरवासिता कार्यक्रम समजावून द्यावा व त्यांच्या पूर्व परवानगीने कार्यक्रम निश्चित करावा.

महाविद्यालयाच्या वेगवेगळ्या सराव पाठ शाळांच्या संख्येनुसार छात्राध्यापकांचे समान गट करावेत. प्रत्येक गटात एक मार्गदर्शक प्राध्यापक व छात्राध्यापकांची यादी तयार करावी. प्रत्येक गटात सर्व अध्यापन पद्धतींचे छात्राध्यापक सहभागी व्हावेत.

सराव पाठासाठी पूर्वावश्यक भाग :-

अध्यापन कौशल्याचे निदान व विकसन हा प्रात्यक्षिक भाग, दिग्दर्शित पाठ, पाठनियोजन कृतिसत्र व अभिरूप पाठ पूर्ण झालेले असावेत. तसेच वर्गामध्ये विविध अध्यापन पद्धतींची पाठ टाचणे व त्यांच्या पैलूंवर सविस्तर चर्चा झालेली असावी.

सरावपाठ उद्दिष्टे :- छात्राध्यापकांमध्ये

1. पाठयांशाची उद्दिष्टे व स्पष्टीकरणे तयार करण्याची क्षमता निर्माण करणे.
2. निर्णयित केलेल्या पाठयांशासाठी उद्दिष्टानुसार आवश्यक अध्यापन पद²धृती, तंत्रे, क्लृप्त्या व अनुभूती देण्याची क्षमता विकसित करणे.
3. उद्दिष्टनिहाय मूल्यमापन क्षमता विकसित करण्यास मदत करणे.
4. अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया समजून घेण्याची संधी उपलब्ध करून देणे.
5. अध्ययन-अध्यापनाची परिणामकारकता समजून घेण्यासाठी पाठ निरीक्षणची संधी उपलब्ध करून देणे.
6. अध्यापनासाठीचा आत्मविश्वास निर्माण होण्यास मदत करणे.

प्रात्यक्षिकाची कृती / कार्यनीती :-

सरावपाठ प्रशिक्षण कालावधीत छात्राध्यापकांचे प्रथम अध्यापन पद²धृतीचे 3 व द्वितीय अध्यापन पद²धृतीचे 3 असे एकूण 6 पाठ पूर्ण करून घ्यावेत. या पाठांचे विभाजन 5 वी ते 8 वी (उच्च प्राथमिक स्तर) व 9 ते 12 (माध्यमिक व उच्च माध्यमिक स्तर) अशा प्रकारे असावे. गटाने संबंधित शाळेतून घटक आणून घटकांची विभागणी करून घ्यावी व त्यानुसार गटाच्या सरावपाठाचे वेळापत्रक तयार करावे.

सरावपाठाचे वेळापत्रक आठवड्यापूर्वी लावावे. छात्राध्यापकांनी पाठ टाचण काढून संबंधित प्राध्यापकाच्याकडून तपासून घ्यावे व वेळापत्रकानुसार दिलेल्या वर्गावर सरावपाठ घ्यावेत. गटातील इतर छात्राध्यापकांनी सहाध्यायीच्या 6 (३३) पाठांचे उपलब्ध वेळेनुसार निरीक्षण करावे व त्याच्या नोंदी कराव्यात. तसेच छात्राध्यापकांनी त्याच्या प्रत्येक अध्यापन पद²धृतीच्या शाळेतील ज्येष्ठ/अनुभवी शिक्षकांच्या दोन पाठांचे निरीक्षण करून नोंद तक्ते भरावेत. निरीक्षणाबाबत शिक्षकांशी त्यांनी चर्चा करावी.

सराव पाठ कार्यक्रम हा सुटे सराव पाठ स्वरूपाचा असावा एका सप्ताहाचे नियोजन पुढील प्रमाणे करावे. समजा एका गटामध्ये 14 छात्राध्यापक आहेत

दिवस	तपशील
1.	गटातील 7 छात्राध्यापक प्रथम अध्यापन पद ² धृतीचा पाठ घेतील व उर्वरित 7 छात्राध्यापक त्यांचे निरीक्षण करतील
2.	दुसऱ्या टप्प्यामध्ये गटातील उर्वरित 7 छात्राध्यापक प्रथम अध्यापन पद ² धृतीचा पाठ घेतील व इतर 7 छात्राध्यापक त्यांचे निरीक्षण करतील
3.	वरीलप्रमाणे 14 पैकी 7 छात्राध्यापक द्वितीय अध्यापन पद ² धृतीचा पाठ घेतील व उर्वरित 7 छात्राध्यापक त्यांचे निरीक्षण करतील

4.	उर्वरित 7 छात्राध्यापक द्वितीय अध्यापन पदधृतीचा पाठ घेतील व इतर 7 छात्राध्यापक त्यांचे निरीक्षण करतील
5.	सर्व गट स्वतंत्र बसतील प्रत्येकजण आपआपल्या गटातील छात्राध्यापकांना सराव पाठ व शालेय अनुभव कार्यक्रमात आलेले स्वानुभव सांगेल आलेल्या अडचणी व त्यावर केलेली मात याचे कथन करतील निरीक्षक छात्राध्यापक प्रत्याभरणात्मक सूचना सांगतील मार्गदर्शक प्राध्यापक सूचना देतील सुधारणात्मक उपाय सांगतील उल्लेखनिय बाबी सांगतील या सर्व बाबींची नोंद गटप्रमुख करतील
6.	सर्व गटप्रमुख आपआपल्या गटातील ठळक घडामोडीच्या नोंदी कमतरता अनुभव व चिंतन याची मांडणी सर्व वर्गासमोर करतील व शेवटी विभागप्रमुख या सर्व बाबीवर मार्गदर्शन करतील

मूल्यमापन योजना :-

सराव पाठाच्या मूल्यमापनासाठी प्राध्यापकांनी स्वनिर्मित पदनिश्चयन श्रेणी किंवा पडताळा सूचीचा वापर करावा.

सराव पाठ गुणदान योजना

अ. न.	तपशील	संख्या	गुण
1	सुट्टे सराव पाठ	3+3	30
2	सहाध्यायी पाठ निरीक्षण	3+3	06
3	अनुभवी शिक्षकाचे पाठ निरीक्षण	2+2	04
	एकूण	8+8	40

2. शालेय अनुभव कार्यक्रम:-

प्रास्ताविक :-

प्रथम वर्षाच्या शालेय अनुभव कार्यक्रमाच्या माध्यमातून छात्राध्यापकांना शाळेतील कामकाजाचे अर्थपूर्ण निरीक्षण करता यावे अशी अपेक्षा आहे. प्रथम वर्षामध्ये छात्राध्यापकाला शाळा, तेथील वातावरण, विद्यार्थ्यांचे काही प्रमाणात आकलन आणि अध्ययन- अध्यापन प्रक्रिया यांचा परिचय होणे अपेक्षित आहे. शाळेशी संबंधित सर्व पैलूंचे छात्राध्यापकाला आकलन व्हावे तसेच त्याने प्राप्त केलेल्या सैध्दांतिक ज्ञानाची सांगड प्रत्यक्ष कामकाजात घालता यावी यादृष्टीने शालेय अनुभव कार्यक्रम गरजेचा आहे.

पूर्वावश्यक भाग :-

शालेय अनुभव कार्यक्रमांला जाण्यापूर्वी पूर्ण करावयाच्या उपक्रमांची माहिती सांगावी व नियोजन करून घेणेत यावे.

उद्दिष्टे:-

1. छात्राध्यापकास शाळेतील दैनंदिन कामकाजात प्रत्यक्ष भाग घेण्याची संधी प्राप्त करून देणे.
2. अध्यापनासंदर्भात आशय आणि अध्यापनशास्त्राची तत्त्वे, समस्या व प्रश्न समजण्यास मदत करणे.
3. परिणामकारक वर्गअध्यापनाची आवश्यक कौशल्ये व क्षमता विकसित करण्यास मदत करणे.
4. व्यावसायिक अभिवृत्ती, मूल्ये, अभिरुची विकसित करण्यास मदत करणे.
5. शाळेतील विविध घटक व त्यांच्यावरील जबाबदारी यांची ओळख करून घेण्यास मदत करणे.
6. शाळेमध्ये विविध उपक्रमोचे नियोजन व आयोजन करण्याची क्षमता विकसित करण्यास मदत करणे.
7. शिक्षकाची भूमिका समजण्यास मदत करणे.

प्रात्यक्षिकाची कृती / कार्यनीती :-

प्रत्येक मार्गदर्शक प्राध्यापकाने आपल्या गटातील छात्राध्यापकांना मार्गदर्शन करावे. प्रत्येक छात्राध्यापकांना एक जबाबदारीचे कार्य घेण्यास सांगावे. यामध्ये मुख्याध्यापक, उपमुख्याध्यापक, पर्यवेक्षक, वर्गशिक्षक, वेळापत्रक प्रमुख, परिपाठ प्रमुख, सांस्कृतिक प्रमुख इत्यादींसाठी जबाबदारी विभागून द्यावी. जेणेकरून अपेक्षित सर्व कामे जबाबदारीने केली जातील.

गटातील छात्राध्यापकांना या कार्यक्रमाची उद्दिष्टे, प्रत्येकाच्या जबाबदा-या व गुणदान कशा प्रकारे होणार आहे? शाळेत कोणकोणते अनुभव घ्यायचे? कोणकोणती कामे करावयाची? याबाबतची सविस्तर माहिती द्यावी.

शालेय अनुभव कार्यक्रमात घ्यावयाच्या उपक्रमांची यादी:-

1. परिपाठ सहभाग
2. वेळापत्रक तयार करणे.
3. विद्यार्थी हजेरीपत्रक तयार करणे.
4. फलक लेखनात सहभाग
5. सांस्कृतिक स्पर्धा (नियोजन व आयोजन)
6. एन.सी.सी., एम.सी.सी , स्काऊट गाईड उपक्रमात सहभाग
7. एका विद्यार्थ्याचे प्रोफाईल तयार करणे.

अनुभवांचे कथन :-

आपल्या गटातील छात्राध्यापकांना सराव पाठव शालेय अनुभव कार्यक्रमात आलेल्या अनुभवांचे कथन करण्याचा कार्यक्रम आयोजित करावा. प्रत्येक छात्राध्यापकांने सदरच्या कार्यक्रमात आलेले चांगले अनुभव, ठळक प्रसंग व घटना , आलेल्या अडचणी व त्यावर केलेली मात कोणत्या उपक्रमापासून काय शिकण्यास मिळाले? सराव पाठव शालेय अनुभव कार्यक्रमात आणखी काय सुधारणा करणे आवश्यक आहे या संदर्भात अनुभव कथन करण्यास सांगावे.

मूल्यमापन योजना :-

अ. न.	तपशील	गुण
1	परिपाठ व फलक लेखनातील सहभाग	5
2	वेळापत्रक व हजेरीपत्रक तयार करणे.	5
3	सांस्कृतिक स्पर्धा- नियोजन व आयोजनातील सहभाग	5
4	एन.एस.एस.एन.सी.सी., एम.सी.सी., स्काऊट गाईड, इ. उपक्रमातील सहभाग	5
5	एका विद्यार्थ्याचे प्रोफाईल तयार करणे.	10
6	एकंदरित कामाची जबाबदारी व अनुभव कथन	10
7	अहवाल लेखन	10
8	दैनंदिनी	10
9	एकूण	60

अहवाल लेखन :-

- शालेय अनुभव कार्यक्रमाच्या अहवाल लेखनात खालील बाबींचा उल्लेख असावा.
- शालेय अनुभव कार्यक्रमाचे प्रास्ताविक , अर्थ महत्त्व व उद्दिष्टे
- गटातील छात्राध्यापकांची विभागनिहाय यादी
- दैनंदिन परिपाठ नोंद – राष्ट्रगीत , प्रतिज्ञा, प्रार्थना, सुविचार, बोधकथा, दिनविशेष, पंचांग, श्लोक, ठळक बातम्या.
- विद्यार्थी हजेरीपत्रक

- सांस्कृतिक कार्यक्रम – कार्यक्रम पत्रिका, कार्यक्रमाचा सविस्तर वृत्तांत.
- एन.सी.सी., एम.सी.सी. स्काऊट गाईड इ. सहभागाचा वृत्तांत
- एका विद्यार्थ्याचे प्रोफाईल.
- एकंदरित कार्याच्या जबाबदारीचा अहवाल.
- विभाग प्रमुख म्हणून कार्य कशा पद्धतीने पूर्ण केले? समस्या किंवा आलेल्या अडचणी कशा सोडविल्या?
- कार्यक्रमासाठी सुचविलेले बदल व सुधारणा
- समारोपामध्ये एकंदरित शालेय अनुभवाविषयीचे तुमचे मत
- अहवालामध्ये उपक्रमासंदर्भात फोटो लावावेत.

दैनंदिनी:-

प्रत्येकाने प्रत्येक दिवशी शाळेच्या प्रारंभापासून ते शाळा सुटपर्यंत स्वतः केलेली सर्व कामे, ठळक प्रसंग, घटना, कार्यक्रमात आलेले चांगले अनुभव, आलेल्या अडचणी व त्यावर केलेली मात, कोणत्या उपक्रमापासून काय शिकण्यास मिळाले? इ. गोष्टींचा समावेश करून दररोज शेवटी एकंदरीत अनुभवांच्या चिंतनात्मक विचारांची नोंद करावी.

B. A. B. Ed. Four year integrated course
Third Year-VI Semester

STRUCTURE OF PRACTICUM COMPONENT

THIRD YEAR B. A. B. Ed.

Course Code	Semester	Title	Marks
CC-T 110	Fifth Semester	INDIAN CONSTITUTION AND HUMAN RIGHTS	50
CC-TPd.111	Fifth Semester	Pedagogy of School Subject - One, Part - II	50
CC-TPd.112	Fifth Semester	Pedagogy of School Subject - Two, Part - II	50
Practicum			
CC-P 501	Fifth Semester	Conduct of Action Research Workshop	-
CC-P 502	Fifth Semester	Psychological Testing Workshop	25
		Total	
CC-T 113	Sixth Semester	KNOWLEDGE AND CURRICULUM PART-II	50

CC-T 114	Sixth Semester	Creating an Inclusive School	50
CC-P 601	PRACTICUM	Conduct and Submission of Action Research Report	25
CC-P 602	Sixth Semester	School Internship	100
Total			